P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika
E: ISSN NO.: 2349-980X Vol-III * Issue-XII*August-2016

कानपुर शहर के पूर्वी क्षेत्र के स्ववित्तपोषित एवम् अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षिकाओं का व्यावसायिक सम्बन्धों के समायोजन का अध्ययन

रचना त्रिवेदी
सहआचार्या,
शिक्षाशास्त्र विभाग,
डी.एस.एन. कालेज,
उन्नाव,उ0प्र0

सारांश

सामाजिक प्राणी होने के कारण प्रत्येक मनुष्य में अनेकों इच्छायें, लक्ष्य और उन्हे पूरा करते हेतु विचारों का आधिक्य होता है। इन इच्छाओं, विचारों एवम् लक्ष्यों में जितना समन्वय होता है, उसका समायोजन उतना ही अच्छा होता है। समायोजित व्यक्ति में अन्तर्द्वन्द एवं कुण्ठा कम होती है। वह सुख एवम् शान्ति का अनुभव करता है। शिक्षा द्वारा मनुष्य जीवन एवम् समाज में उत्तम समायोजन प्राप्त करता है।

मुख्य शब्दः स्ववित्तपोषित एवम् अनुदानित माध्यमिक विद्यालय,व्यावसायिक सम्बन्ध

प्रस्तावना

शिक्षा का प्रमुख लक्ष्य व्यक्ति का सर्वांगीण विकास तथा समायोजन प्राप्त करना है। अच्छी शिक्षा अच्छे अध्यापकों पर निर्भर करती है यदि अध्यापन कार्य में किसी प्रकार का अवरोध या समस्या अत्पन्न होती है तो शिक्षक अध्यापन कार्य कदाचित उचित प्रकार से नहीं कर सकेगा।

उद्देश्य

1. स्वावित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक/शिक्षिकाओं का व्यावसायिक सम्बन्धों के समायोजन का अध्ययन।
2. अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक/शिक्षिकाओं का व्यावसायिक सम्बन्धें के समायोजन का अध्ययन।
3. स्ववित्तपोषित एवम् अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक/शिक्षिकाओं के व्यावसायिक सम्बन्धों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन।

अध्ययन विधि

प्रस्तुत प्रपत्र में क्षेत्र अध्ययन विधि का प्रयोग किया गया है क्योंकि समस्या का अध्ययन–क्षेत्र छोटा है। क्षेत्र अध्ययन में समस्या का अध्ययन एक छोटे समुदाय, छोटी संस्था, औद्योगिक संस्थान, शैक्षणिक संस्थान के लोगों के व्यवहार पर किया जाता है।

परिकल्पनायें

प्रस्तुत शोध में निम्नलिखित शून्य परिकल्पनायें निर्मित की गई

1. स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालय की शिक्षिकाओं एवम् अनुदानित माध्यमिक विद्यालय की शिक्षिकाओं के व्यावसायिक सम्बन्धों के समायोजन में कोई अन्तर नहीं है।
2. स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक एवम् अनुदानित माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक समायोजन में कोई अन्तर नहीं है।
3. स्ववित्तपोषित/अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक/शिक्षिकाओं के व्यासायिक सम्बन्धों के समायोजन में कोई अन्तर नहीं है।

उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में डॉ0 एस0के0 मंगल की ''टीचर अडजेस्टमेन्ट इन्वेन्टरी'' का प्रयोग किया गया है आप सरस्वती कालेज ऑफ एजूकेन चरखी दादरी हरियाणा में प्राचार्य पद पर है।

प्रश्नावली में पॉच कारकों में अध्ययन करने की सुविधा है।

1. संस्था के शैक्षिणक एवं सामान्य वातावरण के साथ समायोजन
2. सामाजिक–मनोवैज्ञानिक, शारीरिक समायोजन
3. व्यावसायिक सम्बन्धों में समायोजन
4. व्यक्तिगत जीवन में समायोजन
5. आर्थिक समायोजन एवम् व्यावसायिक सन्तुष्टि

प्रस्तुत अध्ययन में ''व्यवसायिक सम्बन्धों में समायोजन'' कारक को अध्ययन हेतु चुना है।

न्यादर्श का चयन

कानपुर शहर के पूर्वी क्षेत्र के 05 माध्यमिक विद्यालयों से 40 शिक्षक/शिक्षकाओं का चयन असम्भाव्य प्रतिचयन के स्वेच्छानुसार प्रतिचयन विधि द्वारा किया गया जिसमें

अनुदानित विद्यालय

पुरूष शिक्षक

जे.पी.आर.एन. अमर इण्टर कालेज, जाजमऊ, कानपुर

महिला शिक्षिका

बाल निकेतन बालिका स्कूल, जे.के. कालोनी, जाजमऊ, कानपुर

स्ववित्तपोषित विद्यालय

पुरूष शिक्षक

महात्मा गॉधी इण्टर कालेज, सुभाष रोड हरजिन्दर नगर, कानपुर

महिला शिक्षिकायें

खालसा गर्ल्स इण्टर कालेज, हरजिन्दर नगर, कानपुर

महिला शिक्षिकायें

बाल निकेतन बालिका इण्टर कालेज, डिफेन्स कालोनी, कानपुर

सांख्यिकी विधि

तुलनात्मक अध्ययन करने हेतु प्राप्तांको के मध्ययान, मानक विचलन एवम् क्रान्तिक अनुपात की गणना की गई।

स्ववित्तपोषित कालेज

	शिक्षक	शिक्षिकायें	
05 – 24	01	–	01
25 – 44	03	01	04
45 – 64	04	02	06
65 – 84	01	04	05
85 – 104	01	03	04
	10	10	20

अनुदानित कालेज

	शिक्षक	शिक्षिकायें	
05 – 24	01	02	03
25 – 44	01	03	04
45 – 64	02	03	05
65 – 84	05	02	07
85 – 104	01	–	01
	10	10	20

परिणाम एवम् निष्कर्ष

परिकल्पना – 1

स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों की शिक्षिकाओं एवम् अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों की शिक्षिकाओं के व्यावसायिक सम्बन्धों के समायोजन में कोई अन्तर नही है

तलिका – 1

अनुदानित माध्यमिक	N	M	S.D	CR
विद्यालयों की शिक्षिकायें	10	54	28.8	
स्ववित्तपोषित	10	74.6	18.2	2.117

सार्थकता स्तर – .05

तालिका संख्या –1 के आधार पर स्पष्ट होता है कि अनुदानित मा0 विद्यालयों की शिक्षिकाओं का मध्यमान 54 प्राप्त हुआ जबकि स्ववित्तपोषित मा0 वि0 की शिक्षिकाओं का मध्यमान 74.6 प्राप्त हुआ। इनका प्रामाणिक विचलन क्रमशः 28.8 एवम् 18.2 प्राप्त हुआ इनका क्रान्तिक अनुपात 2.117 प्रापत हुआ जिसके आधार यह ज्ञात होता है कि सार्थकता का स्तर .05 स्तर पर हमारी परिकल्पना अस्वीकृत होती है तथा दोनों में अन्तर सार्थक पाया जाता है।

परिकल्पना – 2

स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षिक एवम् अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षिकों के व्यावसायिक सम्बन्धों के समायोजन में कोई अन्तर नही है

तलिका – 2

अनुदानित माध्यमिक	N	M	S.D	CR
विद्यालयों के शिक्षिक	10	80.5	28	
स्वावित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों की शिक्षिका	10	54.3	22.26	2.2985

सार्थकता स्तर – .05

तालिका संख्या 2 के आधार पर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का मध्यमान व मानक विचलन क्रमशः 80.5 एवम् 28.00 प्राप्त हुआ एवम् स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का मध्यमान एवम् प्रामाणिक विचलन क्रमशः 54.3 एवम् 22.26 प्राप्त हुआ दोनों का क्रान्तिक अनुपात 2.2985 प्राप्त हुआ दोनो के मध्य अन्तर सार्थक पाया गया और हमारी परिकल्पना संख्या – 2 अस्वीकृत होती है।

परिकल्पना – 3

स्वावित्तपोषित/अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक/शिक्षिकाओं के व्यावसायिक सम्बन्धों के समायोजन में कोई अन्तर नहीं है

तलिका – 3

अनुदानित मा0 वि0 के	N	M	S.D	CR
शिक्षिक/शिक्षिकायें	20	73.45	28.6	
स्वावित्तपोषित मा0 वि0 के शिक्षिक/शिक्षकायें	20	54.83	23.04	1.5680

सार्थकता स्तर – .05

तालिका संख्या 3 के आधार पर अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक/शिक्षकाओ का मध्यमान व मानक विचलन 73.45 एवम् 28.6 प्राप्त हुआ जबकि स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक/शिक्षिकाओं का मध्यमान एवम् प्रामाणिक विचलन 54.83 एवम् 23.04 है इनका क्रान्तिक अनुपात 1.5680 प्राप्त हुआ इनके मध्य अन्तर सार्थक एवम् परिकल्पना संख्या – 3 अस्वीकृत होती है।

Manual ds classification of Teacher Adjostment scores in to categories के आधार पर स्पष्ट होता है कि अुदानित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का व्यावसायिक समायोजन समान्य से अच्छा है जबकि स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों का व्यावसायिक समायोजन सामान्य से कम पाया गया एवम् स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों की शिक्षिकाओं का

व्यावसायिक समायोजन अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों की शिक्षिकाओं से अधिक पाया गया है

अध्ययन की उपायदेयता

अध्ययन हेतु शिक्षकों के सम्पर्क में आने पर उनकी अद्भुत आन्तरिक शक्ति एवं उत्साह का पता चला। शिक्षक निर्भय होकर अपने प्रति होने वाले पक्षपात को बताते हैं तथा उसके प्रति विद्रोह का साहस भी रखतें है। रोजगार की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुऐ स्वयं को बेबस महसूस करते हैं। यहॉ पर यह कहना गलत न होगा कि ''शिक्षकों की स्थिति में सुधार लाये बगैर शिक्षा जगत में इच्छित विकास असम्भव है वैसे ही जैसे कि एक पंख से उड़ान करना।''

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. गुप्ता एस.पी.सांख्यिकीय विधियॉ, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
2. डॉ0 बुच एम.बी. :– सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजूकेशन।
3. भार्गव महेश 'आधुनिक मनोविज्ञान,उन्नीसवॉसंस्करण।
4. जनरल ऑफ ऐजुकशनल एण्ड साइकोलोजिकल रिसर्च, वाल्यूम–2।
5. एजुट्रेक, वाल्यूम 9, आई. एस.एस.एन.।